<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

मेरठ, 04 सितम्बर, 2025: सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मेरठ के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय द्वारा " इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड पेटेंटिंग इन इंडिया" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी), लखनऊ के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. के.के. सिंह जी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। कुलपति महोदय ने अपने उद्घाटन भाषण में शिक्षकों एवं छात्रों से उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य करने का आह्वान किया, जिससे पेटेंट, टेक्नोलॉजी और उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रकाशित हो सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि समकालीन शोध को समाज एवं उद्योग के लाभ के लिए संरक्षित और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीएआर-आईएएसआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. दिनेश कुमार ने पेटेंट फाइलिंग की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के चरणों को समझाया। लखनऊ विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहरोत्रा ने जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पेटेंट के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मौलिक शोध को कानूनी संरक्षण दिलाना अनिवार्य है। विशिष्ट वक्ता एवं अधिवक्ता प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने पेटेंट से जुड़े कानूनी पहलुओं और सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पेटेंट उल्लंघन के मामलों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के आयोजक एवं विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के लगभग 300 से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों ने प्रतिभाग किया और लाभ उठाया।उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला ने शोध निष्कर्षों को औद्योगिक स्तर पर सुरक्षित और उपयोगी बनाने में बौद्धिक संपदा अधिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

कार्यशाला के दौरान डॉ. राम जी सिंह, रजिस्ट्रार; डॉ. कमल खिचड़ी, निदेशक शोध; डॉ. पी. के. सिंह, निदेशक प्रसार; निदेशक प्रशिक्षण और प्लेसमेंट डॉ. आर. एस. सेंगर, डॉ. जयवीर. सिंह, अधिष्ठाता, टेक्निकल यूनिवर्सिटी; डॉ. विजेंदर सिंह, अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और इसके सफल आयोजन में योगदान दिया। मंच का संचालन डॉ. रेखा दीक्षित तथा महेश कुमार भारती के द्वारा किया गया। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता (Dean, College of Biotechnology) ने भी इस कार्यक्रम में सहभागिता की तथा अपने विचार रखे।

डॉ. पंकज कुमार (कार्यक्रम के आयोजक) ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने कृषि अनुसंधान में बौद्धिक संपदा के महत्व को रेखांकित करते हुए एक महत्वपूर्ण मिसाल कायम की।

डॉ. पंकज कुमार
आयोजन सचिव

ONE-DAY WORKSHOP
on
INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AND PATENTING IN INDIA
(September 04, 2025)

ONE-DAY WORKSHOP
on
INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AND PATENTING IN INDIA
(September 04, 2025)
Sponsored by :
Council of Science & Technology, Lucknow, U.P.
Venue : Auditorium, VCC, College of Veterinary and Animal Science, SVPUAT, Meerut
Organized by :
Centre of Excellence in Agri-Biotechnology, College of Biotechnology
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture & Technology, Meerut

Role of Agricultural Educational Institutions
Dinesh Kumar
Centre of Excellence in Agri-Biotechnology
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture & Technolo

Intellectual Assets in Agriculture Research
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture & Tec
आकाशवाणी